

क. न. ८

मसठी

३

२१४

इ. वि.

राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

लिखित ग्रंथ संग्रह :—

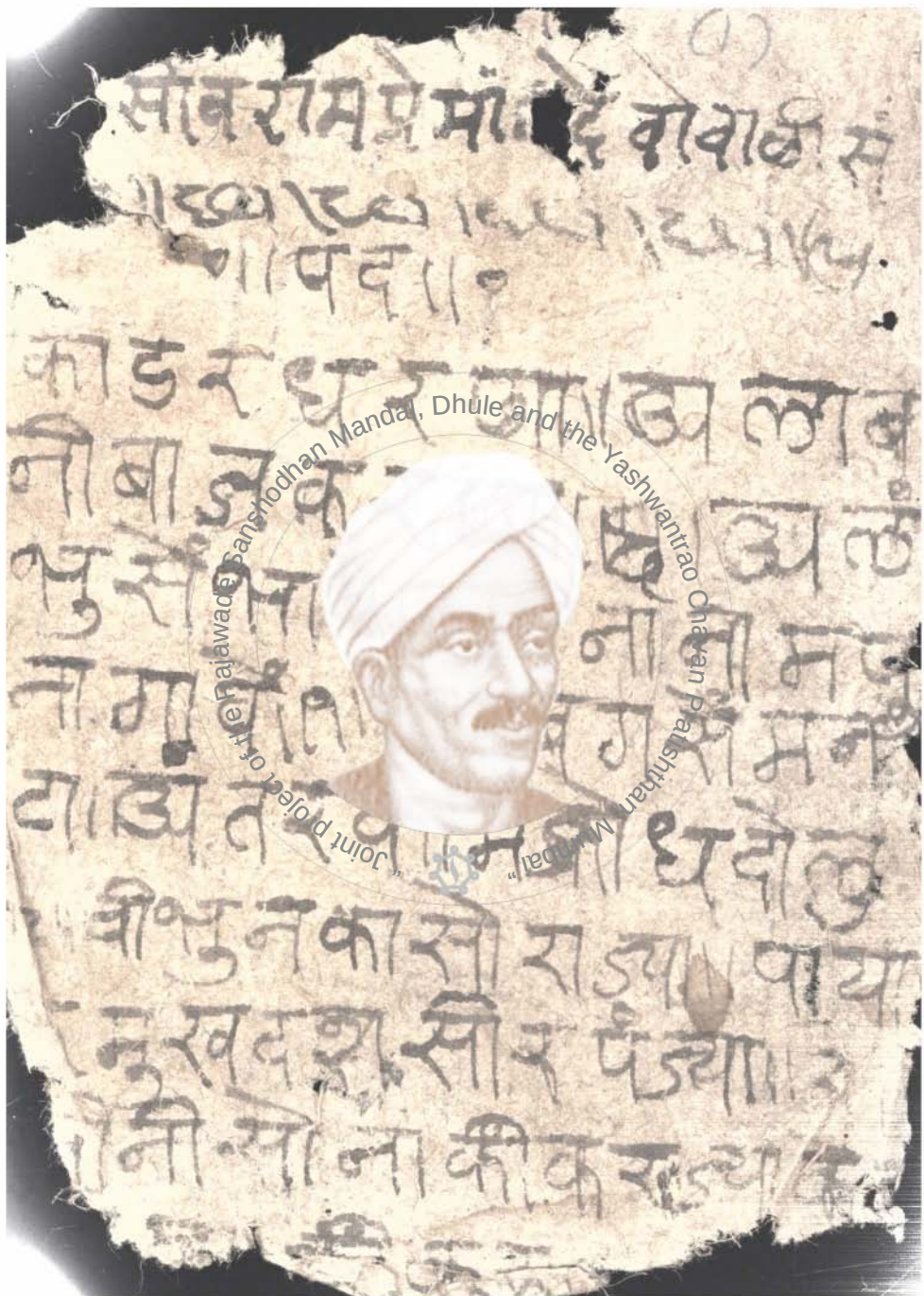
५१६५ प २१४ (२१४)

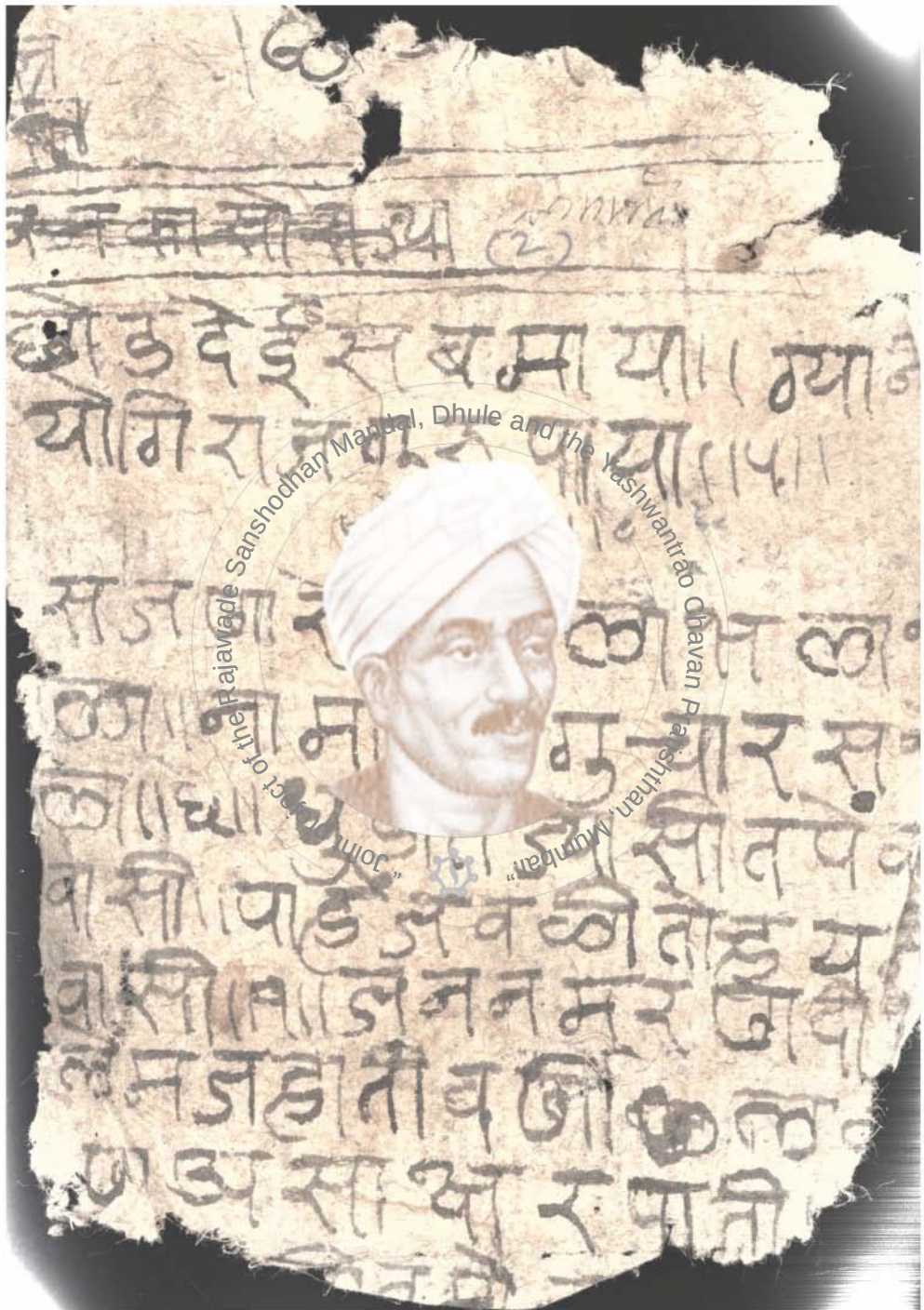
पदे (योगीराजकृत)



विषय

मराठी काव्य





Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

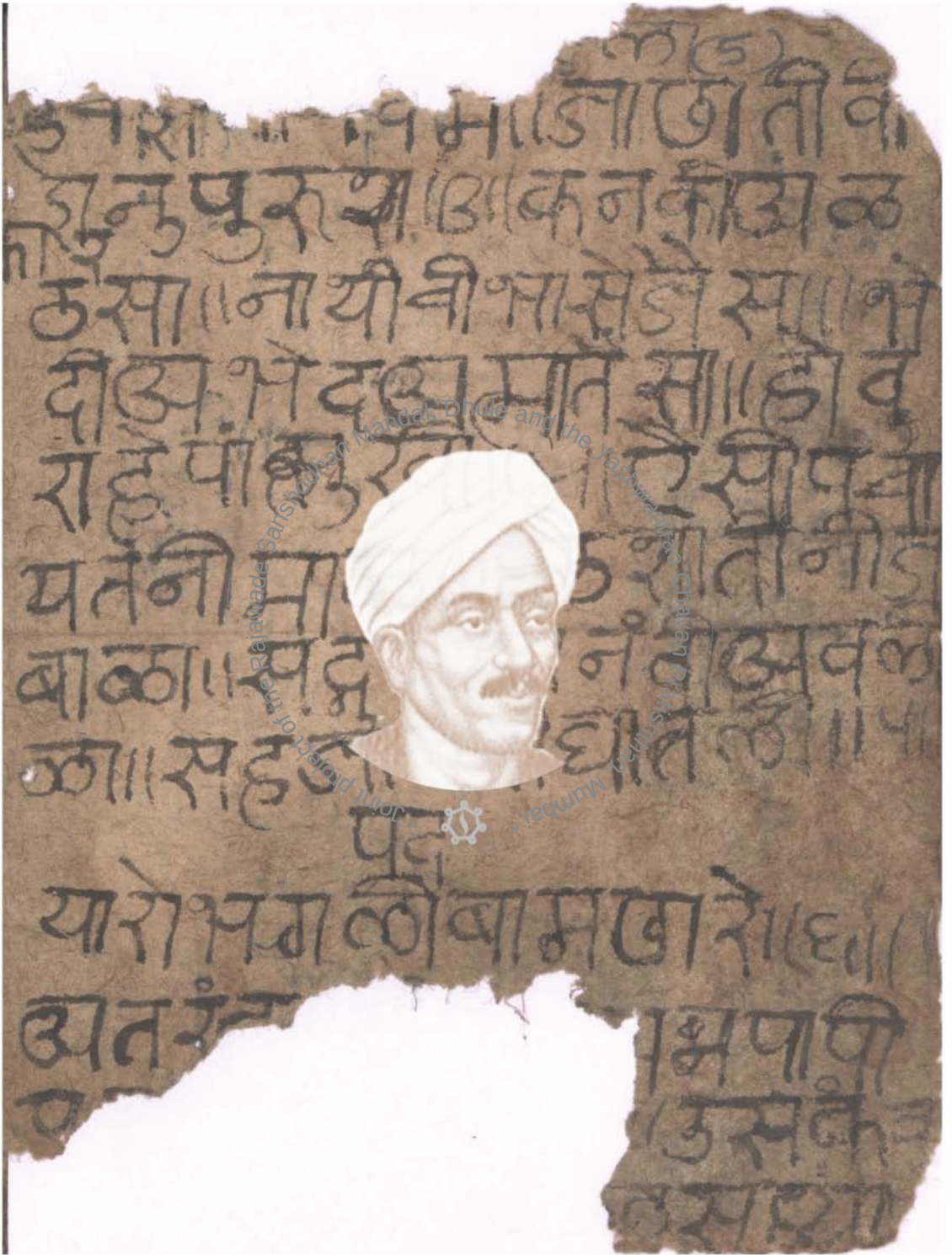
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो
अ तान्ति ह्येकैक्येन न
तसागावोस जवादे ॥ ४ ॥ न
ज शंती वे ल द्वा ता ॥ क वः उ
वै साम्य वे द्या त न वी श
वी खु पा व ता वी त त्स
॥ क मी नी श ता गी ॥ ५ ॥ ॐ दि
अ सा नी ता न य स प
मा य त नी म ती दा ता नी दे ई म
डो ॥ ६ ॥ ॐ ऐ स
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो



... ॥३॥ सावा एक...
... ॥६॥ नीज भक्ती वी...
... ॥१॥ ...
... ॥२॥ ...
... ॥३॥ ...
... ॥४॥ ...
... ॥५॥ ...
... ॥६॥ ...
... ॥७॥ ...
... ॥८॥ ...
... ॥९॥ ...
... ॥१०॥ ...



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.



(6) ॥ ३५ ॥

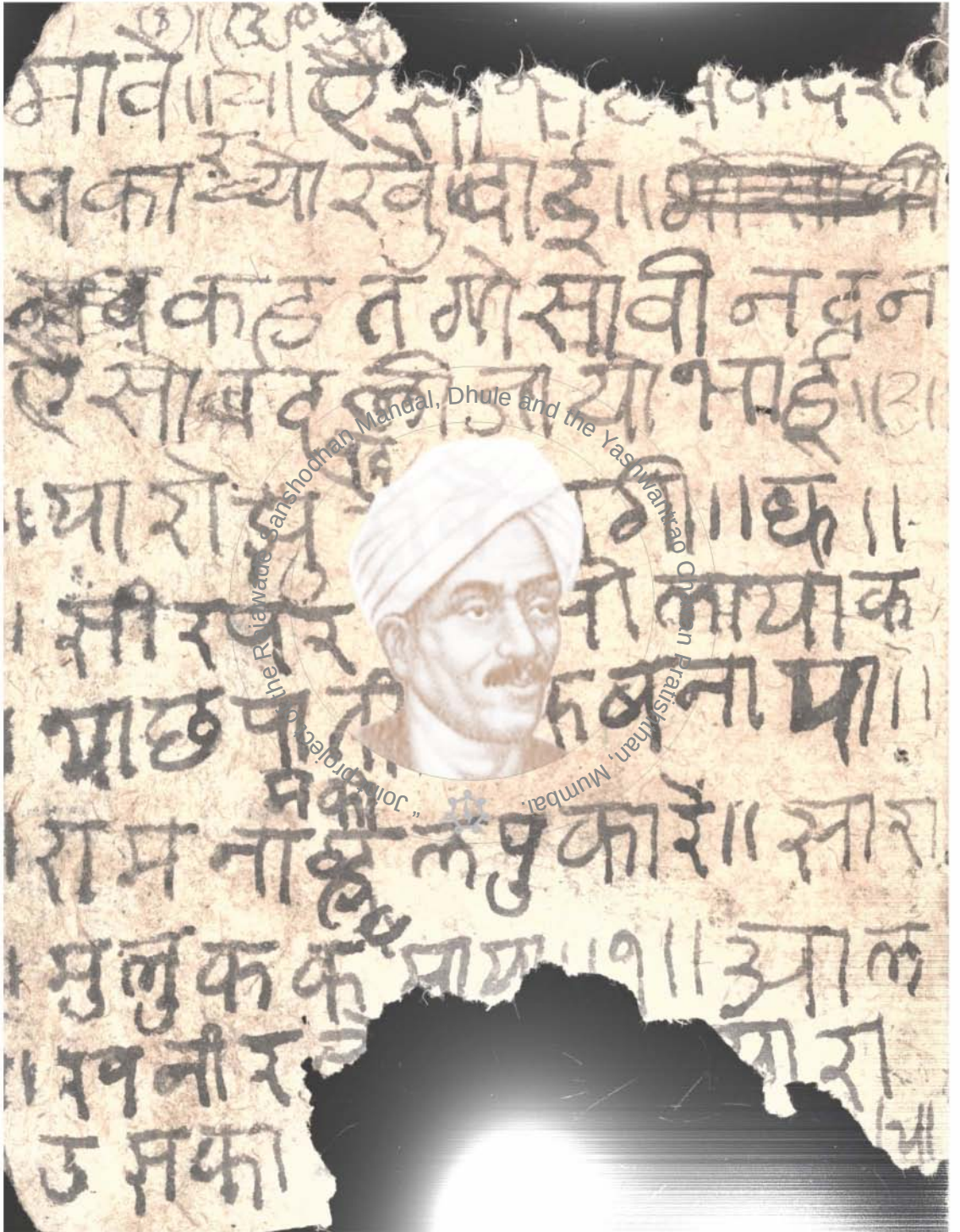
आ सो आलां काय के कना या ल
ती ॥ का वा का कु ल ती य ३ ल
य थ ॥ १ ॥ क रु का ही ही वे स
अ हे तो सा या सी सा व ला गा
स म्भ वा यो के सी तां रु
द न वा मु ड तो प र न
य छ आ ती क को व ती ॥ ३ ॥ आ
ता कुं था कुं था का य के ल हि
ते ॥ द र व जी वा र व वा ड व
ल या ल ॥ १ ॥ आ ती प
इ ली या
नी बो

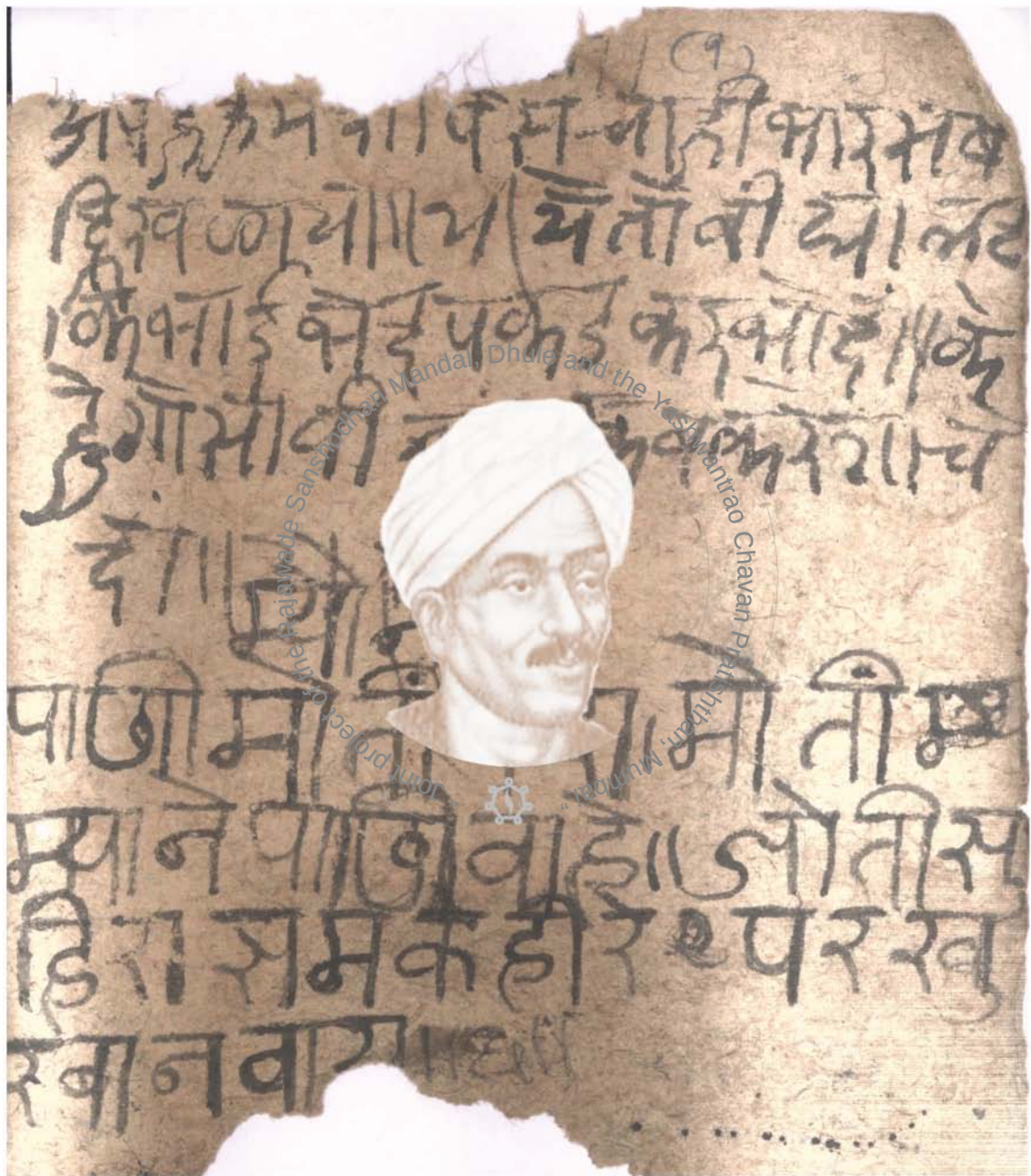


(२) पद
पै ल दी सते श्रीमुखें ॥ पाहुन
हं लिता न शुका रूपपाहु डो
मरीति भावली गोजरी ॥
रवी सा... ता
इम दे... का ह्मा
एवर्णुकार तुला ब्रिब
इ।।ग। पुकेडात पर्न छुटा
॥७॥ अपय्यदीपुरान पळे करू
अवन... वे ॥७॥ पह
वे सखे व



Joint project of the Pawanrao Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.





Joint project of
Santosh Chavan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

८१०७

॥ दुर्लभ न्याल कबि न की ॥ दुर्लभ गो न स्वयान ॥
॥ दुर्लभ न हनि दंत की ॥ दुर्लभ न पद नी की ॥
॥ दुर्लभ पालन गुन सब द ॥ दुर्लभ द ह को
॥ कामा ॥ दुर्लभ नाम को जी ती थो ॥ दुर्लभ मि
॥ लियो नाम ॥ ३ ॥
॥ दुर्लभ सात ॥
॥ एक रसा ॥ दुर्लभ
माझं मी ॥
॥ अहं न व दी ध वं न र ह ॥ ति
॥ उ ध नु ॥
॥ धु ॥



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

पय पाटी वृत्त एवमैक्य जस्यैहो ॥
सागर लहरायेक नीअता
जगदात्मा पाह् अर्ता ध्याक नक
नगा सीना सीनी वाडा ॥ तनुज
सापटी अये प्राता ध्या
मृकु घटा नीका ये
पळ नीमि नी पुगपाडा
ता अयो गा हा रु सी वृवृ
दी घटी ॥ ध्ये य ध्यान तेथे को
जा हा ध्याता ॥ नर ना सिद्धी
यक नी प्राज ज स
रि देव लला अ वृ
वृ वृ वृ



(12) ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ भुमजते ॥ ॥ गहन ॥
 ॥ थडती भव ॥ ॥
 ॥ सा मी से वा सुरा सुर ग ॥ ॥
 ॥ जिना सत सा ॥ ॥
 ॥ कुळा ना ॥ ॥
 ॥ वावा ध्याता ॥ ॥
 ॥ गो ना वा ॥ ॥
 ॥ वना वा ॥ ॥
 ॥ श वा ॥ ॥
 ॥ सकळा का ॥ ॥
 ॥ ध्याना मे ॥ ॥
 ॥ गो सी ने ॥ ॥
 ॥ का धु क ॥ ॥
 ॥ ता सु ख ॥ ॥

॥२॥ ॥१॥ ॥२॥ नमो वेदानसात्वे गुलमुख
पिमुनिवे सार वेदी बहुचो ॥ नानाशा ॥
स्त्रांकळार्चे आगमनिगमीचे तत्वजे ॥
निश्चयार्चे ॥ शाते मोक्ष प्रियेचे परा ॥
मपद विचे धर्मये निजनाचे ॥ तेवो ॥
लासर्व वान्वे ॥ जि विचे ना ॥
मयामाधनाचे ॥ ज्ञा साक
ठासुरास ॥ जो जो वद्य स
वां गळि ॥ उ ॥ न ॥ क रणि न मा
दीध राणि ब्र ह्मा डवी स्ता रणि ॥
ज्ञा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
गगा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

७५७

७५८

स्मरति स्मरति सुखद्वयम्
वीद्वीता माणि ॥४॥ केवा स्मिरी
बरवां नुरां मुनी नरां सीधा दी
योगे स्वरा नाया अं सुरा
छरा नीश न्या धैत जन्म
मातरा व स व व्वा नरा
मृती वरा जे डा की नरा ते
वी वरु प्र नु प म रा मुख चरा
सागे जे ना या त रा ॥५॥ श का व्या
पु जे का जे द र नी र पे ख जे ये त वी
प्रा सु ते जे ॥ जे न क जे न
की स नी जे



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय (15)
रती सह जं मो वी नो देव यल
जें ॥ तो वी ता सं वं भो जें ही त म
ज उ म जे वा म ना म सा जें ॥
हु कारे द न स ग ज न
रा सं चा स र ॥ रा १५
का ॥ का ॥ नि पुरा कर
करा दा ता य पुरा ॥ का
डी जा उ द रा ना खि व स व रा दु
वा धि पा न्या उ रा ॥ प्र
ठ दा न क री प्रो य ष रा
स्म रा ॥ १५



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

०६५ । ३५

आर्जुनी कीर्तयेत्

अर्जुनी ता य जमान बहुरीती
काळ बहुछमी तो द्वी जजा

विजा। दाकनीप ज्यपजा

अपुल्यध के कृती क

रीबहुवान नवरीबहु

असकरीप काकरीनाअ

डकाडीसुं के वं असअ

तीदुसाकरीपरीसं-चीर्तकी

चीतही फळ दीन स्नाफनाशान्त

तनुजायनराजा दीना

आशोस्यतबा धज

नीयेदध्या



1250 श्री (12)

समाधवा

अचार भाकरी करी धारी
जना सीदे सखा कपोत
बल्लवी भुवा लपा घरे
खी गोवर्धन सपावडी
सतुंबडी घाघडा
जीना सीत पोथी पाद
का सीरा हाहा सी
रमान येक भाव पुल नी
गाम राधे मो सी भ
सा दीवार



(१४) ।। ३२५ ।।

भो मारा श्री जोगावत मावव
वठनी ।। नीरंकशस्थीतीसीक
जयोगीराज असनी ।। २५ ।

ऐसे ज्ञाना ज्ञानान् ।
ज्ञानद्वार पश्यो जाण
॥ ६ ॥ ज्ञान प्रपन्नो भवति ।। इति
नमोर्वी सीह्वारक्त ।। ज्ञानद्वार
पञ्चासि बोधक ।। ज्ञानद्वार
सीसाधक ।।



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

०५१

जासो डोंपें जा वेध का॥ इ
न देव्या त्या सी शोध का॥ उ
शाने जाले सतरा जा॥ इ
ने प्रमत्ता त्या मत्ता॥ ४॥ इ
न गुण प्रमत्ता जा॥ इ
न सहित मत्ता जा॥ पां
सोड प्याली घे उनी मरु जा
ला॥ नाही त्याला अतरी
र धाला॥ त्याला त्याला वं
वीन



Joint project of the Hajiwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com